फीफा : इंग्लैंड ने हासिल किया तीसरा स्थान

मियामी, 19 जुलाई बुकायो साका की हैट्रिक की बदौलत इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में फ्रांस को 6-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया. मियामी स्टेडियम में शनिवार रात खेले गये मुकाबले के शुरुआती 20 मिनट में डेकलन राइस और एजरी कॉन्सा ने इंग्लैंड को बढ़त दिलाई. इसके बाद साका ने दो गोल कर टीम का स्कोर 4-0 से कर दिया. डेकलन राइस ने तीसरे मिनट, एजरी कॉन्सा ने 18वें तथा साका ने 37वें और स्टॉपेज समय में गोल दागे.

दूसरे हाफ में फ्रांस ने तीन गोल कर वापसी की और बराबरी करने के कई आसान अवसर भी बनाए, लेकिन उन्हें भुना नहीं सका. किलियन एमबापे ने पहला गोल (44) मिनट और 66वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया. इन दो गोलों के बीच ब्रैडली बारकोला (54वें मिनट) गोल किया. इन दो गोलों की बदौलत एमबापे 2026 विश्वकप के गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे पहुंच गए. वह विश्व कप इतिहास में 22 गोल के साथ लियोनेल मेसी को पछाड़ते हुए सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गये है.

फ्रांस के लिए बराबरी करने का एक शानदार मौका माइकल ओलिस के पास था, लेकिन उनका शॉट लक्ष्य से चूक गया. और यह चूक इंग्लैंड के लिए महंगी साबित हुई क्योंकि इंग्लैंड ने दूसरी तरफ से हमला किया और पेनल्टी हासिल की, जिस पर साका ने पेनल्टी से अपनी हैट्रिक पूरी.

डायोट उपामेकानो के शानदार पास के बाद फ्रांस के चौथे गोल के साथ उस्मान डेम्बेले ने मैच के अंतिम क्षणों में इंग्लैंड को चिंता में डाल दिया. मैच के अंतिम क्षणों में जूड बेलिंगहैम ने 98वें मिनट में निर्णायक गोल करके इंग्लैंड को 1966 के बाद से विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की. विश्व कप में इंग्लैंड का पिछले 60 साल में यह सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा. 1966 में इंग्लैंड ने विश्व कप का खिताब जीता था.

इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यूयॉर्क. शनिवार को तीसरे स्थान के लिए हुए प्लेऑफ़ मैच के बाद, वर्ल्ड कप में अब तक सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है :

22	किलियन एम्बाप्पे, फ्रांस
21	लियोनेल मेसी, अर्जेंटीना
16	मिरोस्लाव क्लोज़, जर्मनी
15	रोनाल्डो, ब्राज़ील
14	गर्ड मुलर, वेस्ट जर्मनी
14	हैरी केन, इंग्लैंड
13	जस्ट फोंटेन, फ्रांस
12	पेले, ब्राज़ील
11	सैंडोर कोक्सिस, हंगरी
11	जुर्गन क्लिंसमैन, वेस्ट जर्मनी
11	क्रिस्टियानो रोनाल्डो, पुर्तगाल

एम्बापे ने गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी को पछाड़ा

मियामी (फ्लोरिडा). इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे स्थान के लिए शनिवार को हुए मुकाबले में 4-6 से हार के बावजूद फ्रांस के स्टार खिलाड़ी एमबापे ने गोल्डन बूट की दौड़ में अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी को पछाड़ दिया है. इस रोमांचक प्लेऑफ मुकाबले में एमबापे ने अपना 21वां और 22वां गोल करके फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल करने वालों की सूची में लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया. फ्रांस के लिए पहला हाफ बहुत खराब रहा और वह शुरुआती 45 मिनट के बाद वे 4-0 से पीछे थे. लेकिन 48वें मिनट में एमबापे के गोल ने फ्रांसीसी टीम की वापसी की उम्मीद जगाई. ब्रैडली बारकोला ने इंग्लैंड की बढ़त को कम करके दो गोल का अंतर कर दिया और फिर फ्रांस के कप्तान ने 66वें मिनट में एक और गोल किया. डिडियर डेसचैम्प्स की टीम ने चौथा गोल किया, लेकिन बुकायो साका की हैट्रिक ने इंग्लैंड को फ्रांस से आगे बनाए रखा और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल करके इस मैच को वर्लड कप के यादगार मैचों में शामिल कर दिया. अब 39 साल के हो चुके और अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेसी के पास रविवार को स्पेन के खिलाफ होने वाले फाइनल में अपनी टीम की कप्तानी करते हुए एमबापे से यह रिकॉर्ड वापस पाने का अवसर है. मैच के बाद एमबापे ने मीडिया से कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं. कल भी वह जरूर गोल करेंगे. मैं बस हर बार अपनी टीम को गोल करने में मदद करने की कोशिश करता हूं. यह सच है कि जब आप विश्व कप में इतने सारे गोल करते हैं तो आप एक अलग स्तर पर पहुंच जाते हैं, लेकिन बस यही बात है.' उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं इतिहास में सबसे अधिक गोल करने वाला खिलाड़ी न बनकर फाइनल का मैच खेलना ज्यादा पसंद करता.

केरल और मणिपुर में स्कूलों में छुट्टी का ऐलान

नयी दिल्ली. फुटबॉल के लिए भारत का जुनून अब क्लासरूम तक पहुँच गया है. केरल और मणिपुर के अधिकारियों ने सोमवार को स्कूलों में राज्य-स्तरीय छुट्टी की घोषणा की है, ताकि छात्र मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 फ़ाइनल को देख सकें. अमेरिका के न्यू जर्सी में मेटलाइफ़ स्टेडियम में खेला जाने वाला वर्ल्ड कप फ़ाइनल भारत में सोमवार को तड़के 12:30 बजे शुरू होगा. केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने घोषणा की कि उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूल एक दिन के लिए बंद रहेंगे. राज्य के शिक्षा मंत्री एन. समसुद्दीन ने कहा कि यह फ़ैसला उन छात्रों के अनुरोध के बाद लिया गया जो रविवार देर रात फीफा वर्ल्ड कप फ़ाइनल देखना चाहते थे. छुट्टी की घोषणा करते हुए मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अब खुश हो, बच्चों?' मणिपुर में, राज्य सरकार ने बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन, काउंसिल ऑफ़ हायर सेकेंडरी एजुकेशन, सीबीएसई और अन्य उच्च शिक्षा बोर्ड से जुड़े सभी स्कूलों को सोमवार को बंद रखने का आदेश दिया. इस फ़ाइनल में ट्रॉफ़ी की लड़ाई के अलावा एक दिलचस्प कहानी भी जुड़ी है. अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी पहली बार किसी इंटरनेशनल मैच में स्पेन के लैमिन यामल का सामना करेंगे. कई लोग 19 साल के इस स्पेनिश खिलाड़ी को अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी के बाद फ़ुटबॉल की अगली पीढ़ी के सबसे होनहार टैलेंट में से एक मानते हैं. अर्जेंटीना की फ़ुटबॉल टीम अपने चौथे फीफा वर्ल्ड कप खिताब और 1962 में ब्राज़ील के बाद लगातार दूसरी बार ट्रॉफ़ी जीतने वाली पहली पुरुष टीम बनने का मौका पाने की कोशिश कर रही है. वहीं, स्पेन 2010 में ट्रॉफ़ी जीतने के बाद अपना दूसरा फीफा वर्ल्ड कप जीतने की कोशिश में है. भारत में मेसी की लोकप्रियता सालों से बहुत ज़्यादा रही है, और पिछले साल देश के कई शहरों के उनके दौरे ने इस जुड़ाव को और मज़बूत किया. रिकॉर्ड आठ बार बैलन डी'ओर जीतने वाले इस खिलाड़ी का स्वागत करने के लिए हज़ारों समर्थक उमड़ पड़े.

ट्यूशेल ने इंग्लैंड के जोश की तारीफ़ की

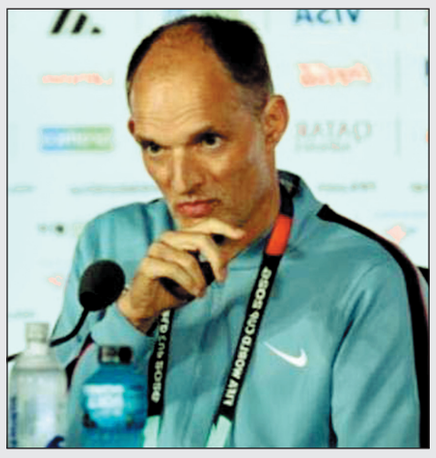

मियामी. इंग्लैंड के मैनेजर थॉमस ट्यूशेल ने शनिवार को अपनी टीम के 'अविश्वसनीय' जोश की तारीफ़ की, जब इंग्लैंड ने पिछले 60 वर्षों में वर्ल्ड कप में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, और एक रोमांचक ब्रॉन्ज़ मेडल मैच में फ्रांस को 6-4 से हराया. इंग्लैंड ने पहले हाफ़ में 4-0 की बढ़त बना ली, और जबकि फ्रांस ने इंटरवल के बाद अपनी लय हासिल कर ली, वह आखिरकार इस कमी को पूरा नहीं कर पाया. बुकायो साका ने इंग्लैंड के लिए हैट्रिक पूरी की. ट्यूशेल ने कहा, 'मैं आज के इस प्रदर्शन और इस सोच की जितनी तारीफ़ करूँ कम है. हमारे पास तैयारी के लिए एक दिन कम था, विरोधी टीम की तुलना में हमारी हड्डियों में हज़ारों किलोमीटर ज़्यादा थे, और हम गर्मी से उबरकर आए थे... लेकिन बार-बार, हमने कोई न कोई रास्ता निकाल ही लिया. हमारे लिए मुश्किल में पड़ना आम बात थी, और मैं बहुत इम्प्रेस्ड हूँ कि हमने वह रिएक्शन दिखाया जो हम चाहते थे.' यह जीत साका की ज़बरदस्त हैट्रिक की वजह से मिली, जिससे विंगर पर ट्यूशेल का भरोसा सही साबित हुआ. ट्यूशेल ने कहा, 'वह मेरे लिए एक अहम खिलाड़ी है. आज वह बहुत अच्छा था और उसने दिखाया कि वह इस टीम का एक अहम हिस्सा क्यों है.' इस हफ़्ते की शुरुआत में सेमीफ़ाइनल में हार के बाद मैनेजर की लोगों ने बुराई की थी. उन्होंने कहा, 'कल की प्रेस कॉन्फ़्रेंस में ऐसा लगा जैसे हम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गए, लेकिन 24 घंटे बाद, हमें साठ साल में सबसे बड़ी कामयाबी मिली. अर्जेंटीना के ख़िलाफ़ जो फ़ैसले काम नहीं आए, उनकी ज़िम्मेदारी मैं लेता हूँ, लेकिन मेरा पक्का यकीन है कि हमने इस वर्ल्ड कप में उससे कहीं ज़्यादा बनाया है जितना हम तीस मिनट में खो सकते हैं.' जीत के बावजूद, ट्यूशेल ने माना कि फ़ाइनल मिस करने का 'दर्द' बना रहेगा. 'दर्द कुछ समय तक रहेगा. यह हाई-लेवल स्पोर्ट है. लेकिन यह मेडल एक बड़ी बात है. हमारे पास क्वालिटी है, हम टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं, और इससे हमें आगे बढ़ने में मदद मिलेगी.'

केर ने पुरुषों की 'माइल' दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, 19 जुलाई ब्रिटेन के जोश केर ने शनिवार को लंदन डायमंड लीग में पुरुषों की माइल दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया. उन्होंने 3 मिनट 42.66 सेकंड का समय लेकर हिशाम अल गेरौज के 27 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया.

28 वर्षीय केर ने मार्च में अपने घरेलू मैदान पर वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने की घोषणा की थी और लंदन स्टेडियम में 60,000 दर्शकों की भारी भीड़ के सामने अपना वादा पूरा किया. शुरुआती दौर में दो पेसमेकर के पीछे रहने के बाद, केर ने दौड़ की कमान संभाली और 3:42.66 में फिनिश लाइन पार की. इस तरह उन्होंने अल गेरौज के 1999 के रिकॉर्ड में लगभग आधे सेकंड का सुधार किया. केर पुरुषों की माइल दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले सातवें ब्रिटिश एथलीट बन गए हैं और 1985 में स्टीव क्रैम के बाद ऐसा करने वाले पहले एथलीट हैं. दौड़ के बाद केर ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा, 'मैंने जो चर्चा पैदा की थी, उसे देखते हुए यह बहुत बड़ी बात है.

यू मुम्बा ने जीता ड्रीम यूटीटी जूनियर्स

फाइनल में दबंग दिल्ली को 5-2 से हराया

पणजी, 19 जुलाई गोवा के पणजी स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में रविवार को खेले गए ड्रीम यूटीटी जूनियर्स के रोमांचक फाइनल में यू मुम्बा टीटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दबंग दिल्ली को 5-2 से हराकर अपने इतिहास का पहला खिताब जीत लिया.

पिछले संस्करण में उपविजेता रही यू मुम्बा ने इस बार किसी भी तरह की चूक नहीं की और टीम गेम, आत्मविश्वास तथा युवा खिलाड़ियों के बेहतरीन तालमेल के दम पर चैंपियन बनने का सपना साकार किया. इस जीत के साथ टीम ने पिछले साल की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया. फाइनल मुकाबले की सबसे बड़ी नायिका अहोना रे रहीं, जिन्होंने

गर्ल्स सिंगल्स के निर्णायक मुकाबले में श्रीजानी चक्रवर्ती को एकतरफा अंदाज में 11-4 से हराकर यू मुम्बा की जीत पर मुहर लगा दी. पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली अहोना ने फाइनल में भी दबाव के बीच संयम बनाए रखा और आक्रामक खेल दिखाते हुए विपक्षी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया.

> उनकी इस जीत के साथ यू मुम्बा ने पहली बार ड्रीम यूटीटी जूनियर्स ट्रॉफी अपने नाम कर ली. मैच की शुरुआत से ही यू मुम्बा ने आक्रामक तेवर अपनाए. टीम के स्टार खिलाड़ी सोमदेव सेनगुप्ता ने पहले लड़कों के सिंगल्स मुकाबले में हिमोन मोंडल को 2-1 से हराकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई. इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा और दबंग दिल्ली पर शुरुआती दबाव बन गया.

मनजोत कालरा को 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

कोलंबो. भारत के पूर्व अंडर 19 खिलाड़ी मनजोत कालरा को कोलंबो की मजिस्ट्रेट अदालत ने 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. श्रीलंका पुलिस ने इसकी पुष्टि की है. उन्हें 16 जुलाई को 2026 लंका प्रीमियर लीग सीज़न से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ़्तार किया गया था. कालरा उद्यमी मयंक गोयल के साथ जाफ़ना किंग्स फ्रेंचाइज़ी के सह-मालिक हैं. उनको 17 जुलाई को अदालत में पेश किया गया. कालरा ने एलपीएल 2026 में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों - भानुका राजपक्षे और श्रीलंका के राष्ट्रीय खिलाड़ी दुनित वेल्लालागे तथा अविष्का फ़र्नांडो से संपर्क किया था. ये तीनों खिलाड़ी जाफ़ना किंग्स का हिस्सा हैं.

काजल के स्वर्ण पदक सहित भारत ने चौथे दिन जीते चार पदक

बुडापेस्ट (हंगरी), 19 जुलाई भारतीय पहलवानों ने शनिवार को पॉलीक इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चौथे दिन एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल चार पदक अपने नाम किये.

काजल ढोचक ने महिला फ्रीस्टाइल 76 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंतिम पंघाल चोट के कारण 53 किग्रा वर्ग के फाइनल से हटने की वजह से रजत पदक से संतोष करना पड़ा. महिला 57 किग्रा वर्ग में नेहा शर्मा ने रजत पदक जीता, जबकि 53 किग्रा वर्ग में निशु ने कांस्य पदक अपने नाम किया.

दो साल बाद खिताबी वापसी फाइनल में विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से दी मात

सिंधु ने रचा इतिहास, पहली बार जीता जापान ओपन

टोक्यो, 19 जुलाई भारतीय बैडमिंटन की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने रविवार को जापान ओपन 2026 में यादगार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया.

टोक्यो के मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में खेले गए महिला एकल फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की स्टार खिलाड़ी और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर पहली बार बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 जापान ओपन का खिताब अपने नाम किया. इस जीत के साथ सिंधु ने लगभग दो वर्षों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को भी समाप्त कर दिया और साबित कर दिया कि बड़े मुकाबलों में उनका अनुभव और मानसिक मजबूती आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है. विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर काबिज 31 वर्षीय सिंधु ने पूरे मुकाबले में आक्रामक और संतुलित खेल का शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने शुरुआत से ही यामागुची पर दबाव बनाया और पहले गेम में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली. हालांकि जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया और मध्यांतर तक 11-9 की बढ़त भी बना ली, लेकिन इसके बाद सिंधु ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा कर दिया. 36 शॉट की लंबी और रोमांचक रैली जीतकर उन्होंने न सिर्फ स्कोर 11-11 से बराबर किया, बल्कि मुकाबले का रुख भी पूरी तरह बदल दिया.

> इसके बाद उन्होंने लगातार आक्रामक स्मैश और सटीक नेट प्ले के दम पर पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया. दूसरे गेम में भी सिंधु ने शानदार शुरुआत की और जल्द ही 8-3 की बढ़त बना ली. यामागुची ने वापसी का प्रयास करते हुए अंतर कम किया और स्कोर 14-12 तथा बाद में 19-17 तक पहुंचाया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाई. संयम, अनुभव और बेहतरीन कोर्ट कवरेज के दम पर सिंधु ने लगातार अंक जुटाए और तीन चैंपियनशिप पॉइंट हासिल किए. अंत में यामागुची का एक शॉट कोर्ट से बाहर चला गया और सिंधु ने ऐतिहासिक जीत के साथ खिताब अपने नाम कर लिया. यह जीत कई मायनों में सिंधु के करियर की सबसे महत्वपूर्ण सफलताओं में शामिल हो गई है.

संडेज़ ऑन साइकिल प्रदूषण का समाधान

इसका मकसद फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता खत्म करना है : डॉ. मनसुख

नयी दिल्ली, 19 जुलाई केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' का मकसद फॉसिल फ्यूल पर बहुत ज़्यादा निर्भरता खत्म करना है और यह 'प्रदूषण का समाधान' है.

डॉ. मनसुख मंडाविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में इस देशव्यापी कार्यक्रम के 82वें संस्करण की अगुवाई की. यह साइक्लोथॉन देश भर में 10,000 से ज़्यादा जगहों पर आयोजित किया गया. डॉ. मांडविया द्वारा दिसंबर 2024 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम एक जन-आंदोलन बन गया है, जो सभी उम्र के लोगों को 'फिटनेस की डोज़, आधा घंटा रोज़' (फिट रहने के लिए हर दिन 30 मिनट दें) के लिए प्रेरित करता है. अब तक, देश भर में हज़ारों जगहों पर इस कार्यक्रम में 30 लाख से ज़्यादा लोग हिस्सा ले चुके हैं.

नई दिल्ली में, हॉकी ओलंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति दुबे, फिट इंडिया चैंपियन चारुल मलिक और आयुष मंत्रालय की जानी-मानी योग और वेलनेस कोच अनीता सोलंकी ने भी मशहूर इंडिया गेट सर्कल और कर्तव्य पथ के आस-पास साइकिल चलाई. अपनी तरह का यह अनोखा कार्यक्रम आम लोगों को दौड़ने, साइकिल चलाने, योग और ज़ुम्बा जैसी गतिविधियों के ज़रिए अपनी सेहत और फिटनेस के लिए समय निकालने के लिए प्रोत्साहित करता है.